

अर्थात् कि

Phy. 1/2

18.12.2025:-पत्रावली आज प्रार्थी अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर पेशी में ली गई। प्रार्थी वकील का मूल वादपत्र विद्वा हो चुका है। मूल वाद पत्र विद्वा के कारण प्रार्थना-पत्र में कोई कार्यवाही शेष नहीं रह जाती। इसलिए अर्थाई निशेषाज्ञा को वर्तमान स्तर पर निरस्त खारिज किया जाकर उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. में वर्तमान स्तर पर खारिज कि जाती है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफ्तर हो।

सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
मुमुमानगढ़